23.12.24

DATE
PAGE 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (लोकोक्ति पर आधारित कहानी)

पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण - 8

सुप्रभात प्यारे बच्चो!
आज हम फिर से लोकोक्ति के आधार पर कहानी पढ़ेंगे। पिछले सत्र में भी आपको कुछ लोकोक्तियों के आधार पर कहानियाँ भेजी गई थीं।

लोकोक्ति - 'बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया' का भावार्थ है - आज रुपए का महत्व पिता और भाई से भी अधिक है। आज अधिकाधिक धन-प्राप्ति के लिए लोग हर प्रकार के अनैतिक और निंदनीय कार्य करने को तैयार हो जाते हैं तथा मानवता से कोसों दूर चले जाते हैं। भ्रष्टाचार के जितने भी क्षेत्र हैं, उन सबका मूल है - 'पैसा'। पैसों के लिए नशीले पदार्थों की तस्करी तक होती है। ज़मीन-जायदाद संबंधी लेन-देन, मुकद्दमा, खाद्य पदार्थों में मिलावट, दवाइयों में मिलावट, इन सबका मूल कारण अधिकाधिक धन की प्राप्ति कर लेना ही तो है।

इस अवसर मुझे एक घटना याद आ रही है -
एक सेठ था धनीमल। वह जितना परिश्रमी, नेक, ईमानदार तथा सज्जन व्यक्ति था। उसका इकलौता पुत्र 'राजेश' उतना ही निकम्मा, आलसी, लापरवाह, नशे में चूर रहने वाला युवक था।
एक बार 'दीपावली' के अवसर पर सेठ के वस्त्र भंडार में आग लग गई। त्योहार होने के कारण बाज़ार बंद था। जब तक सेठ के पास खबर पहुँची, तब तक सब कुछ स्वाहा हो चुका था।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

23.12.24

DATE
PAGE 2

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण ('लोकोक्ति पर आधारित कहानी')

उधर राजेश शराब में डूबा हुआ दीवाली मना रहा था। सूचना मिलने पर जब वह दुकान पर पहुँचा, तो उसका सारा नशा उतर गया था और उसे अपना भविष्य अंधकारमय लगने लगा।

सेठ धनीमल इस झटके को सह न सका और उसे दिल का दौरा पड़ गया। उसे शहर के बड़े अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

राजेश को जब पिता के बड़े अस्पताल में होने की खबर मिली, तो बोला इतने भारी नुकसान के बाद पिताजी को इतने महँगे अस्पताल में भर्ती करवाने की क्या आवश्यकता थी! सभी परिचित उसकी इस बात पर हैरान रह गए।

संबंधियों और परिचितों के साथ अस्पताल में पिता को देखते ही उसने प्रश्नों की झड़ी लगा दी। पिताजी आपने दुकान का बीमा कब करवाया था? राष्ट्रीय बैंक के अतिरिक्त आपका खाता और कौन-कौन से बैंक में है - आदि-आदि।

दूसरे दिन उनका पुत्र आया और ज़ायदाद वाले स्टांप पेपर्स पर सोते हुए पिता का अँगूठा लगवाकर सारी संपत्ति अपने नाम कर ली। सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर में यही कहा- "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया।"

गृहकार्य:- सब बच्चे इस लोकोक्ति पर आधारित कहानी को पढ़ेंगे और लिखेंगे। अब मैं आपको कुछ लोकोक्तियाँ लिखकर दे रही हूँ और उनसे संबंधित कहानी आपको मौखिक रूप से बताऊँगी। आप सभी इन सभी कहानियों को सुनकर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे। इन्हीं लोकोक्तियों में से कोई एक लोकोक्ति वार्षिक परीक्षा में लिखने को आएगी।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

23.12.24

DATE

PAGE 3

कक्षा - आठवीं शिक्षिका सुमन शर्मा

विषय - हिंदी व्याकरण ('लोकोक्ति पर आधारित कहानी')

1. जहाँ चाह, वहाँ राह

2. परहित सरिस धर्म नहिं भाई

3. बिना बिचारे जो करे सो पाछे पछताय

4. साँच को आँच नहीं

5. जैसी संगति बैठिए, तैसो ही फल दीन

6. 'मन के हारे हार है मन के जीते जी'

7. ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए करता है'

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner